

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	कार्तिक 07, मंगलवार, शाके 1946-अक्टूबर 29, 2024 Kartika 07, Tuesday, Saka 1946- October 29, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, सितम्बर 30, 2024

संख्या प. 2(53)वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारी की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन घर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11, (1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है, कि उक्त रक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चुना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न:- प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

बीजो जॉय,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	ब्लाक का नाम	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			विवरण			
				दिशा	भूमि	खसरा न0	नाम ग्राम	खसरा न0	क्षेत्रफल (बीघा में)	क्षेत्रफल (है0 मे)
1	रक्षित वनखण्ड चांदबावडी-बी	लाडपुरा	कोटा	उत्तर	वन खण्ड चान्दबावड़ी वन भूमी	1	चांदबावडी	2	22 बीघा 3 बिस्वा	3.54
				दक्षिण	ग्राम चांदबावडी खातेदारी भूमि	5, 5/81, 15, 18, 23, 24, 32, 33, 34		3	1 बीघा 2 बिस्वा	0.18
						77		4	16 बिस्वा	0.13
				पूर्व	ग्राम डोलिया की राजस्व भूमि	321/879		16	12 बिस्वा	0.1
				पश्चिम	वन खण्ड चान्दबावड़ी ग्राम हरिपुरा की वन भूमि	7		17	1 बीघा 15 बिस्वा	0.28
योग									25 बीघा 28 बिस्वा	4.23

हस्ताक्षर

(जनक सिंह)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

रेंज- बोराबास

हस्ताक्षर

(अभिमन्यू सहारण)

उप वन संरक्षक (वन्यजीव)

मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान कोटा

द्वितीय अनुसूची वनखण्ड - चांदबावडी-बी

पेडो की सुची

क्र.स	वनस्पतिक नाम	हिंदी नाम
1	Butea Monosprma	ढाक
2	Diospyros Melanoxylon	तेन्दू
3	Anogeissus Pendula	धोक
4	Acacia Catechu	खैर
5	Dipterocarpus Turbinatus	गुरजन

हस्ताक्षर

(जनक सिंह)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

रेंज- बोराबास

हस्ताक्षर

(अभिमन्यू सहारण)

उप वन संरक्षक (वन्यजीव)

मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान कोटा

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान, कोटा
प्रमाण पत्र

जिला- कोटा

तहसील-लाडपुरा

रक्षित वनखण्ड-चांदबावडी-बी

ग्राम-चांदबावडी

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण आबादी विस्तार हेतु के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है जिसका वन विभाग के नाम अमलदरामद की जा चुकी है। भूमि की किस्म मु. जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा 4.23 है० क्षेत्रफल में वृक्षारोपण कार्य करवा दिया गया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.1 से 0.3 है।
4. सीमावृत्ति क्षेत्र की स्थिति, राजस्व व वन भूमि है। तथा सीमा का उल्लेख एवं खसरा व रकबा विज्ञप्ति में दर्ज कर दिया गया है।
5. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न है। जिसमें खसरा न० व रकबा दर्ज है। एवं जी.टी. शीट की छाया प्रति संलग्न है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सकें।
7. राजस्व अभिलेखों में अमलदरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।
8. उपरोक्त वनखण्ड आबादी विस्तार हेतु में आयी वन भूमि के बदले आयी राजस्व भूमि जिसका अमलदरामद वन विभाग के नाम हो चुका है।
9. यह गैर वन भूमि जिला कलक्टर कोटा के आदेश क्रमांक 3254-60 दिनांक 04.04.1986 से प्राप्त हुई थी। उस समय खसरा न० 1/46 रकबा 26 बीघा 3 बिस्वा था, सेटलमेंट होने के उपरान्त उक्त खसरे के नवीनतम खसरा न० राजस्व रिकार्ड में क्रमशः 2, 3, 4, 16 व 17 बनाये गये हैं। जिसका मिलान क्षेत्रफल, जमाबंदी एवं जिला कलक्टर का आदेश संलग्न है।
10. वनखण्ड के मध्य कोई अन्य खसरा न० स्थित नहीं है।
11. आज दिनांक 01.02.2024 तक इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है एवं न ही प्रकाशन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं।

हस्ताक्षर

(जनक सिंह)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

रेंज- बोराबास

हस्ताक्षर

(अभिमन्यू सहारण)

उप वन संरक्षक (वन्यजीव)

मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान कोटा

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।